

आज की मुरली पर सहज पुरुषार्थ ----- Date: 01-08-14

हम स्टुडेंट आत्माओं को देवी-देवता बनाने की पढ़ाई पढ़ाने वाले, बेहद के टीचर, परमपिता-परमात्मा बाप ने हम बच्चों को एटेन्सन दिलाते हुए कहा, मीठे बच्चे - तुम यहाँ पढ़ाई पढ़ने के लिए आये हो, तुम्हें आंख बन्द करने की दरकार नहीं, पढ़ाई आंख खोलकर पढ़ी जाती हैं.

इस संपूर्ण तमोप्रधान, कलयुगी दुनिया में रहते कई ब्राह्मण आत्माओं को सारे दिन में कई बातों का सामना करना पड़ता है, इसके कारण न चाहते भी व्यर्थ काफी चलता है. इसके कारण मन शांत न होने के कारण रात को नींद भी ठीक से कर नहीं पाते और फिर दूसरे दिन जब सेन्टर पर जाकर मुरली सुनते हैं तो मीठे बाबा के मधुर महावाक्य सुनते, मन शांत हो जाता है और इसके कारण वह मुरली सुनते-सुनते कभी-कभी नींद में चले जाते हैं. अगर आपके साथ ऐसा हो रहा है, तो इसका एक उपाय है ट्रैफिक कंट्रोल. सारे दिन में जभी बिचमे टाइम मिले तो 1-2 मिनिट के लिए मन को शांत करने ट्रैफिक कंट्रोल के सोंग्स युज कर बाबा से योग करो, जिसे मन शांत हो जाये. दूसरा सोने से पहले 10 मिनिट बाबा से योग करो. बाबा को सारे दिन का पोता-मेल देकर सोने की प्रैक्टिस करो. इससे रात को नींद अच्छी आयेंगी और फिर दूसरे दिन मुरली भी फ्रेश होकर सून पायेंगे.

कई बहुत पुराने ब्राह्मण आत्माये भी मुरली के समय नींद की झपकी खाते रहते हैं, उसका मुख्य कारण, उन्हें बाबा के ज्ञान में कुछ भी नया नहीं लगता है.

बाबा की मुरली तो हम ब्राह्मण आत्माओं के लिए बाबा से मिला जीयदान है.
बाबा की मुरली हम गोप-गोपीओं को अतीन्द्रिय सुख प्राप्त कराती है.

तो हर रोज हमें मुरली कैसे सुननी चाहिए?

- मुरली शुरू होने से पहले सेन्टर पर जाकर 10-15 मिनिट बाबा के कमरे में योग करना चाहिए. जिसे हमारी आत्मिक स्थिति बने.

- मुरली सुनते समय स्वयं को आत्मिक स्थिति में स्थित कर सामने मुरली पढ़ने वाले को न देख, बाबा हमें डायरेक्टर मुरली सूना रहे हैं ऐसी अवस्था में मुरली सुननी चाहिए. (मुरली सुनाने वालों को भी ये स्वयं भगवान के महावाक्य हैं, मैं आत्मा इस महावाक्य को पढ़ने के लिए निमित्त हूँ. ऐसा समझकर मुरली सुनानी चाहिए.)

- मुरली सुनते समय, हमारी एकाग्रता की शक्ति को युज कर, अन्तरमुखी अवस्था में रहकर स्वयं भगवान मेरे लिए ही कह रहे हैं तो मुरली के हर वाक्य को खुद में समाते, स्वयं को चेक करते चलेंगे तो मुरली हमें याद भी रहेगी और मुरली के महावाक्य को धारण भी आत्मा कर पायेंगी.

- मुरली सुनने के लिए हमारी बैठक हो सके तो हर रोज सेम रखे.

इस तरह से मुरली सुनने से हर रोज बाबा की मुरली से हमें नये-नये अच्छे अनुभव भी होंगे और मुरली सुनने का उमंग-उत्साह भी बना रहेगा और ज्ञान की धारणा भी होती जायेगी.

ॐ शांति.

Please provide your feedback to Atma Bhai on email:

a.brahmin.soul@gmail.com .